● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 तेजस्वी यादव की विश्वास यात्रा में सिर्फ 'माई', 'बाप' का कहीं पता नहीं: सुशील मोदी

04 जल व कचरा प्रबंधन बना लूट का शिकार

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 21 फरवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 361

कार्टून कार्नर

कश्मीर विकास के बीच 'दीवार' थी 370

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में वंशवाद पर साधा निशाना

बीएनएम@जम्मू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राजनीति में वंशवाद पर निशाना साधते हुये कहा कि ऐसे परिवारों ने 70 वर्षों तक जम्मू-कश्मीर की सत्ता की बागडोर संभाली लेकिन यहां की जनता के लिये कुछ खास नहीं किया।

श्री मोदी ने कहा कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किया जो देश और जम्मू-कश्मीर के विकास के बीच एक 'दीवार' बनी हुयी थी। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने 70 वर्षों तक जम्मू-कश्मीर पर शासन किया, उन्होंने कभी भी यहां के निवासियों और युवाओं के बारे में नहीं सोचा, न ही इसके लिये काम किया, बल्कि ये वंशवादी दल बार-बार सत्ता का सुख भोगने में ही लगे रहे।"

श्री मोदी ने यहां खचाखच भरे मौलाना आजाद स्टेडियम में सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा, "जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्जे को निरस्त करने के बाद प्रदेश शांति और विकास के पथ पर अग्रसर है, जिसे सात दशकों तक सत्तासीन दलों ने विकास को अवरुद्ध कर दिया था।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "अनुच्छेद 370 देश और जम्मू-कश्मीर के विकास के बीच एक दीवार की तरह थी जिसे भाजपा सरकार ने हमेशा के लिये हटा दिया।"

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लिये 32,000 करोड़ रुपये की 220 से अधिक परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। श्री मोदी ने भाषण की शुरुआत पद्मा सचदेव के डोगरी दोहे "मिट्ठदी-ए- डोगरें दी बोली ते खंड मीठे लोग डोगरे" से की। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 पर एक फिल्म भी आ रही है जो लोगों को कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी देने के साथ ही उन्हें जागरूक करने में मदद करेगी। श्री मोदी ने कहा, " शिक्षा, कनेक्टिविटी और विकास अब प्राथमिकतायें हो गयी हैं। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को पेशेवर पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रशासित प्रदेश से बाहर जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कश्मीर और जम्मू क्षेत्र शैक्षिक केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।"

उन्होंने देश की जनता से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को 370 सीटें और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटों पर विजयी बनाने का आशीर्वाद देने की बात कही। श्री मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है और अगले पांच साल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हर किसी का सपना पूरा होगा और जम्मू-कश्मीर को 'विकसित जम्मू-कश्मीर बनाना मोदी की गारंटी' है।

इलेक्ट्रिक ट्रेन शुरू होने पर फारुक ने की सराहना

बीएनएम@श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कश्मीर घाटी को पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आए श्री मोदी ने मंगलवार को श्रीनगर के नौगाम रेलवे स्टेशन पर आभासी माध्यम से रामबन जिले के बारामूला-श्रीनगर-बनिहाल-संगलदान पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन को हरी झंडी दिखायी।

श्री अब्दुल्ला ने नौगाम स्टेशन पर संवाददाताओं से कहा, "यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि ऐसी पहल की गई है। मैं प्रधानमंत्री और रेल मंत्रालय को बधाई देता हूं, जिन्होंने इसमें बहुत योगदान दिया।"

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने रेलवे के उन कर्मचारियों को भी बधाई दी जिन्होंने कश्मीर में रेल लाने के लिए अथक प्रयास किया और उम्मीद जताई कि यह कश्मीर के लोगों के लिए फलदायी होगा। उन्होंने कहा,"मुझे उम्मीद है कि कटरा से ट्रेन जल्द ही संगलदान से जुड़ जाएगी।"

उन्होंने कहा कि जब मौसम की मार के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं, जिससे लोगों को परेशानी होती है और पर्यटन क्षेत्र प्रभावित होता है, तब ट्रेनों की कनेक्टिविटी, जिसकी कश्मीर में बेहद जरूरत थी, न केवल लोगों की यात्रा आसाना बनायेगी बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा,"ट्रेनों की कनेक्टिविटी से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लोग बिना किसी कठिनाई और बिना किसी रुकावट के देश के अन्य हिस्सों की यात्रा कर सकेंगे।"

एक सवाल के जवाब में श्री अब्दुल्ला ने कहा,"पिछले कई सालों से हम उम्मीद कर रहे थे कि 2007 में ट्रेन घाटी को जोड़ेगी लेकिन कठिन इलाका होने के कारण रेलवे को इसे जोड़ने के लिए सुरंगों का निर्माण करना पड़ा।" उन्होंने कहा कि घाटी तक ट्रेन को जोड़ने में काफी कठिनाइयां थीं लेकिन रेलवे इन कठिनाइयों को पार करने में कामयाब रहा और आज पहला कदम उठाया गया है। उम्मीद है कि जून या जुलाई तक रेल देश के बाकी हिस्से से पूरी तरह जुड़ जायेगी।

देश में एक बार फिर लोकतंत्र विजयी हुआ: आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने चंडीगढ़ महापौर चुनाव पर उच्चतम न्यायालय के फ़ैसले पर मंगलवार को कहा कि देश में एक बार फिर लोकतंत्र विजयी हुआ। आम आदमी पार्टी ने एक्स पर लिखा, "सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ महापौर चुनाव में आप उम्मीदवार को विजयी घोषित किया। देश में एक बार फिर लोकतंत्र विजयी हुआ। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, "कुलदीप कुमार एक गरीब घर का लड़का है। 'इंडी' गठबंधन की ओर से चंडीगढ़ का मेयर बनने पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई। ये केवल भारतीय जनतंत्र और सुप्रीम कोर्ट की वजह से संभव हुआ। हमें किसी भी हालत में अपने जनतंत्र और स्वायत्त संस्थाओं की निष्पक्षता को बचाकर रखना है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर लिखा आख़िरकार सत्य की जीत हुई।चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं।

बदलाव | राजस्थान से राज्यसभा की दस सीटों में भाजपा के सांसदों की संख्या बढ़कर हुई चार

राजस्थान से सोनिया, गरासिया एवं राठौड़ निर्विरोध राज्यसभा सदस्य बने

जयपुर। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व मंत्री चुन्नी लाल गरासिया एवं पूर्व विधायक मदन राठौड़ मंगलवार को यहां राजस्थान से राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव-2024 में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

विधानसभा में राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव एवं राज्यसभा के निर्वाचन अधिकारी महावीर प्रसाद शर्मा ने कांग्रेस की उम्मीदवार सोनिया गांधी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार चुन्नी लाल गरासिया एवं मदन राठौड़ को निर्वाचित घोषित किया। इसके बाद राजस्थान से राज्यसभा की दस सीटों में भाजपा के सांसदों की संख्या बढ़कर चार पहुंच गई जबकि कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों की संख्या छह ही रही।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान से इस चुनाव में तीन सीटों के लिए गत 14 फरवरी को श्रीमती सोनियां गांधी ने कांग्रेस प्रत्याशी तथा इसके अगले दिन श्री गरासिया और श्री राठौड़ ने भाजपा उम्मीदवार के रुप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे और चुनाव में इनके अलावा अन्य किसी उम्मीदवार ने अपना पर्चा नहीं भरने एवं मंगलवार को नाम वापस लेने के आखिरी दिन तीनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया और 27 फरवरी को चुनाव कराने की जरूरत नहीं पड़ी।

श्रीमती सोनियां गांधी इससे पहले लोकसभा के एक उपचुनाव सहित छह बार लोकसभा सांसद चुनी गई और वह पहली बार राजस्थान से राज्यसभा के लिए चुनी गई हैं। वह कांग्रेस में सबसे लंबे समय 14 मार्च 1998 से लेकर 16 दिसंबर 2017 तक पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रही। वह कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के दो महीने बाद ही पार्टी की अध्यक्ष चुनी गई। उन्हें वर्ष 1999 में 13वीं लोकसभा में विपक्ष की नेता भी चुना गया। वह वर्ष 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की नेता भी चुनी गई लेकिन उन्होंने श्री मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनने का का मौका दिया। बाद में श्रीमती सोनियां गांधी को संप्रग की अध्यक्ष बनाया गया।

भाजपा के श्री गरासिया राज्य सरकार में मंत्री रहे चुके हैं और वह पहली बार राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इसी तरह भाजपा के श्री राठौड़ विधायक रहे चुके हैं और वह भी पहली बार राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। गत विधानसभा चुनाव में राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के विधायक चुने जाने के बाद राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने एवं पूर्व प्रधानमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. मनमोहन सिंह और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का राज्यसभा सदस्य कार्यकाल आगामी तीन अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इस कारण राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव कराया गया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

छह सीटों पर राज्यसभा उम्मीदवार निर्वाचित

पटना। राज्यसभा में बिहार की छह सीटों पर चुनाव के नतीजे आ गए हैं। बिहार के सभी छह उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इसमें 2 सीटों पर भाजपा, 2 पर राजद और एक सीट पर जदयू प्रत्याशियों का निर्वाचन हुआ है।

जदयू के संजय झा ने सर्टिफिकेट भी मंगलवार को प्राप्त कर लिया। भाजपा से धर्मशीला गुप्ता और भीम सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। राजद से मनोज झा और संजय यादव का निर्वाचन हुआ है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह भी लगातार दूसरी बार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। राज्यसभा में खाली हुई बिहार की छह सीटों पर चुनाव कराए गए। भाजपा के भीम सिंह और धर्मशीला गुप्ता ने नामांकन दाखिल किया था जबकि जदयू से संजय झा को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया था। राष्ट्रीय जनता दल से मनोज झा और तेजस्वी के करीबी संजय यादव के अलावा कांग्रेस से अखिलेश प्रसाद सिंह ने नोमिनेशन फाइल किया था। निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद सभी उम्मीदवार विधानसभा पहुंचे और जीत का सर्टिफिकेट हासिल किया। निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद जदयू नेता संजय कुमार झा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की और उनका आभार जताया।

नीतीश ने विद्यालयों की संचालन अवधि में की तत्काल सुधार की घोषणा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के विद्यालयों के सुबह नौ से शाम पांच बजे तक की संचालन अवधि के शिक्षा विभाग के आदेश में तत्काल सुधार करने की आज घोषणा की। विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार को शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने स्कूलों के संचालन की अवधि सुबह नौ से शाम पांच बजे तक को बदलकर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किए जाने का मुद्दा उठाया। विपक्षी सदस्यों ने समय को अतार्किक बताते हुए आदेश जारी करने वाले शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के. के. पाठक को भी पद से हटाने की मांग की। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विपक्षी सदस्य सदन के बीच में आ गये और कहा कि के. के. पाठक मुख्यमंत्री के आदेश का भी पालन नहीं कर रहे हैं। हालांकि सभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव के अनुरोध पर वे अपनी सीटों पर फिर से बैठ गए।

विधानसभा में उठायी सरकारी नौकरी में डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग

बीएनएम@अररिया

फारबिसगंज भाजपा विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने मंगलवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बिहार राज्य में शिक्षक भर्ती परीक्षा सहित दूसरे प्रतियोगी परीक्षाओं में अन्य राज्यों की भांति सरकारी नौकरी में डोमिसाइल नीति लागू करने की एवं दूसरे राज्यों के परीक्षार्थियों को केवल 10 फीसदी की आरक्षण देने की मांग की।

इसके अतिरिक्त विधायक ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जोगबनी के उपस्वास्थ्य केंद्र का विकास एवं विस्तारीकरण की मांग करते हुए मरीजों को 24 घंटा स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिए जाने का मसला उठाया। ध्यानाकर्षण सत्र में विधायक ने 2 रमई उच्च विद्यालय, 2 मधुबनी उच्च विद्यालय, उच्च विद्यालय बारा मानिकपुर, 2 उच्च विद्यालय तिरसकुण्ड समौल, 2 द्विजेनी उच्च विद्यालय सहित राज्य के सभी उच्च विद्यालय एवं 2 उच्च विद्यालय के खेल मैदान एवं विद्यालय परिसर जो बिना चाहरदीवारी के है, उन सभी विद्यालयों को सूचीबद्ध कर चाहरदीवारी एवं मुख्य द्वार निर्माण की मांग की। सरकार से फारबिसगंज विधानसभा सहित राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्र के उच्च विद्यालय एवं 2 उच्च विद्यालय के खेल मैदान एवं विद्यालय परिसर जो बिना चाहरदीवारी के है को अतिक्रमण मुक्त करा कर चाहरदीवारी एवं मुख्य द्वार निर्माण की मांग की।

विधायक ने फारबिसगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 20 के दुर्गा मंदिर चौक से कोशी कॉलोनी छोटी नहर तक अबतक काली ईटों वाला सड़क है एवं दोनों ओर नाला नहीं है, जिस कारण बरसात के महीनों में पानी का बहाव नहीं होने से कीचड़मय स्थिति हो जाती है एवं आमजन के घरों से जल निकासी एवं सड़क की समस्या होने से काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। सड़क मार्ग को कालीकरण मजबूतीकरण के साथ जल निकासी हेतु दोनों ओर नाला का यथाशीघ्र निर्माण करवाने की मांग की।

तेजस्वी यादव की विश्वास यात्रा में सिर्फ 'माई', 'बाप' का कहीं पता नहीं: सुशील मोदी

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि राजद केवल माई (एम-वाई) की पार्टी है। इसलिए तेजस्वी यादव की यात्रा में बस यही दो समुदाय दिखे। बाप (बहुजन, अगड़ा, आधी आबादी, पुअर) गायब था।

सुशील मोदी ने कहा कि बिहार में राजद को जब भी सरकार बनाने का मौका मिला, केवल दो समुदायों का खास ख्याल रखा गया। संजय यादव को राज्यसभा भेजा गया। यह पार्टी एम-वाई से बाहर के कुछ लोगों पर नाम के लिए कृपा करती भी है तो उन्हें जल्द ही किनारे लगा देती है।

उन्होंने कहा कि अगडे.समाज के रघुवंश प्रसाद सिंह को राजद ने ऐसा अपमानित किया कि उन्होंने अस्पताल के बिस्तर से अपना इस्तीफा लालू प्रसाद को भेज दिया था।

मोदी ने कहा कि तेजस्वी यादव अपनी यात्रा में बताएं कि वे 29 साल की उम्र में पटना से दिल्ली तक 53 बहुमूल्य सम्पत्ति के मालिक कैसे बन गए? वे हिसाब दें कि गरीबों के वोट

लेकर उनके माता-पिता ने कैसे सात पुश्तों के लिए सम्पत्ति बटोर ली? उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को लालू-राबड़ी के 15 साल बनाम नीतीश कुमार के 17 साल पर जनता को बिंदुवार जवाब देना चाहिए। साथ ही कहा कि राजद के कुशासन में सड़कें जर्जर थीं। दिनदहाड़े हत्याएं होती थीं। फिरौती के लिए अपहरण होते थे। शाम के बाद बाजार बंद हो जाते थे और गांव लालटेन युग में जी रहे थे।

मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के बाद कुछ वर्षों को छोड़कर 17 साल में तेज से ढांचागत विकास हुआ।

फोरलेन सड़क, मेगा ब्रिज, गांवों में बिजली, कृषि रोड मैप, मेडिकल कालेज, उच्च शिक्षा संस्थान- लगभग हर क्षेत्र में लोगों ने विकास को अनुभव किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की तरह तेजस्वी यादव की यात्रा भी राजनीतिक तमाशा साबित होगी। इसका कोई असर नहीं होगा।

जन विश्वास यात्रा से तेजस्वी ने ढूंढी PM मोदी की 'चाल' की काट?

पटना। राजद नेता सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव निरंतर वोट के 'गणित' को लेकर नए-नए मुहावरे गढ़ कर अपना आधार वोट बढ़ाने की जुगत बिठाते रहे हैं। राजनीति के शुरुआती दौर में अपने पिता राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पद चिन्हों पर चल कर 'एम वाई' समीकरण में राजनीति का निहितार्थ ढूंढते रहे। राजनीति का जब थोड़ा और अनुभव हुआ, साथ ही समाज भी 90 के दशक का नहीं रहा तो अपने राजनीतिक सलाहकारों से सहमति जताते 'ए टू जेड' समीकरण के साथ अपने वोट बैंक के आधार को विस्तार दिया। और वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद को सबसे बड़ी पार्टी बना दिया। अब जन विश्वास यात्रा में तेजस्वी यादव ने एक नया राजनीतिक

समीकरण का संकेत दिया। आइए जानते हैं क्या है तेजस्वी यादव का नया राजनीतिक समीकरण।लोकसभा के चुनावी माहौल में तेजस्वी यादव की 'जन विश्वास' यात्रा अपने वोटों की गोलबंदी का आधार बनने जा रहा है। इस यात्रा के पहले दिन तेजस्वी यादव ने यह बता भी दिया कि वे राजद की राजनीति को कैसे और किस तरह से विस्तार देना चाहते हैं। अपने आधार वोट 'एम वाई' से खुद को

तो जोड़े रखते हुए अपने वोट बैंक विस्तारीकरण की ओर इशाना कर दिया।तेजस्वी ने कहा कि हमलोग A टू Z वाले लोग हैं। हम लोग बांटने और तोड़ने की राजनीति नहीं करते है। हमारी पार्टी में सभी बहुजन आ गए, सभी अगड़ा लोग आ गए, आधी आबादी यानी महिलाएं आ गईं, सभी हमारे गरीब आ गए। इसीलिए तो मैं कहता हूं कि तो राजद 'माय' के साथ ही साथ 'बाप' की भी पार्टी है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

जंगलराज के बारे में बिहार की जनता को जवाब दे तेजस्वी: आशुतोष

शिवहर। तेजस्वी यादव लोगों को मूर्ख बनाने के लिए जन विश्वास यात्रा का आरंभ किया है। लोगों का विश्वास जीतने के लिए पुनः तेजस्वी यादव जनता के बीच जा रहे है लेकिन तेजस्वी यादव का पूरा परिवार तो जनता का विश्वास उसी समय खो गया था,जिस समय उसके पिता लालू यादव चारा घोटाला किए थे। इसके बाद से लालू परिवार बिहार की जनता का भरोसा ही उठ गया। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पार्टी के प्रदेश सह कोषाध्यक्ष सह युवा उद्यमी आशुतोष शंकर सिंह शिवहर पहुंचे तेजस्वी यादव के जन विश्वास यात्रा के बाद उस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जन विश्वास यात्रा के दौरान तेजस्वी को यह बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के समय कैसे जंगलराज का शासन था। उस समय आए दिन लूट, हत्या, बलात्कार दिनदहाड़े होती थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से शिल्पी जैन की बलात्कार कर हत्या कर दी गई थी। जिसमें उसके मामा साधु यादव की संलिप्तता थी। कहा कि तेजस्वी को यात्रा के दौरान यह बताना चाहिए कि आईएस अधिकारी की पत्नी चंपा विश्वास, उसके सास एवं उसके साथ घर में काम करने वाले परिवार के साथ सालों भर मृत्यंजय यादव बलात्कार करता रहा, लेकिन उसके परिजन को न ही प्रशासन या लालू यादव

की सरकार न्याय दिला सकी। तेजस्वी की बहन मीसा भारती की शादी में पटना के व्यापारियों के शोरूम से गाड़ी एवं लकड़ी के फर्नीचर निकाल लिया गया था। जो उस समय के जंगलराज को दर्शाती है। आशुतोष ने कहा कि उनके पिता जी मुख्यमंत्री रहते हुए भी जनता का विश्वास तोड़कर चारा घोटाला किए जिसके कारण उनको जेल जाना पड़ा। लालू यादव रेल मंत्री रहते हुए बिहार की भोली भाली जनता से नौकरी देने के बदले दलाली में जमीन लिखवाया जिसके कारण अभी ईडी के ऑफिस का चक्कर लगा रहे हैं।

तेजस्वी को यह बताना चाहिए कि जंगलराज पार्ट 2 में जो सत्रह महीने की सरकार थी तो किस तरह विभिन्न विभागों में घोटाला किया,ट्रांसफर पोस्टिंग का रैकेट चला रहे थे।नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपए की वसूली की।और तो और उनका ये सब जो दलाली का धंधा संभालता है वैसे संजय यादव जो हरियाणा का रहने वाला है उसको राज्य सभा भेजने का काम किया है।सारे गलत धंधों का लेखा-जोखा संजय यादव ही करता है।लालू यादव और तेजस्वी सब एक है।यादव समाज को सोचना होगा की जब राज्य सभा भेजने की बात आई तो बाहर के दलाल को प्राथमिकता दी गई।क्या कोई बिहार के यादव का बेटा राज्य सभा में जाने लायक नही था। आशुतोष ने तेजस्वी के पढ़ाई पर भी हमला बोला।कहा कि मां एवं बाप के मुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी नौवी फेल तो तेजप्रताप बारहवीं फेल है। ये दोनों पढ़ाई-लिखाई के समय दिल्ली एवं पटना की गलियारों में ऐश मौज करते रहे।

एनडीए की सरकार बनते ही बेतिया के पूजहां गंडक फोर लेन की पुल बनने का रास्ता साफ

बेतिया। एनडीए की सरकार बनते ही बिहार के शिवरही पूजहां गंडक फोर लेन की पुल बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए भारत सरकार में भूमि अधिग्रहण करने का नोटिस भी जारी कर दिया है । उक्त बातें पश्चिम चंपारण के सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल ने मंगलवार को यहां कही।वह अपने पिता भूतपूर्व सांसद डॉ मदन जायसवाल के पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल की महागठबंधन की सरकार में तेजस्वी यादव द्वारा इस योजना को किनारे कर दिया गया था,जिसके कारण इस योजना के निर्माण में विलंब हुई है । एनडीए की सरकार बनते ही इसका प्रभाव स्वयं आप लोग देख रहे हैं और अनुभव कर रहे हैं। डॉक्टर जयसवाल ने बताया कि बेतिया एवं गोरखपुर की दूरी 35 किलोमीटर एवं दिल्ली से गोरखपुर की दूरी 110 किलोमीटर कम हो जाएगी।

अरेराज एसडीएम ने संस्कृत विषय में किया टॉप,उपराष्ट्रपति ने दिया गोल्ड मेडल

मोतिहारी। जिले के अरेराज अनुमंडल एसडीओ अरूण कुमार ने संस्कृत परा स्नातक में टॉप किया है। पांडेय के इस उपलब्धि पर दिल्ली के मैदानगढी स्थित इग्नू मैदान में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप घनखड़ और इग्नू कुलपति नागेश्वर राय ने गोल्ड मेडल देकर उन्हे सम्मानित किया है। अरेराज एसडीओ अरुण कुमार को गोल्ड मेडल मिलने के बाद बधाइयों का तांता लगा हुआ है। एसडीओ अरूण कुमार ने इग्नू के 2022-24 सत्र में संस्कृत विषय मे पूरे देश में टॉप स्थान प्राप्त किया है।

बेतिया मे गन्ना लदे ट्रॉली से बाइक टकराया, एक की मौत

बीएनएम@बेतिया

जिले में सड़क हादसा में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई है। जबकि दूसरे व्यक्ति की स्थिति काफी गंभीर है और उसका इलाज बेतिया गवर्मेंट अस्पताल में चल रहा है। चनपटिया लौरिया मार्ग में स्थित बेलवा लखनपुर पंचायत के दुबौलिया मुशहरटोली चौक के समीप सड़क पर अनियंत्रित होकर पलटे गन्ना लदे ट्रॉली में बाइक पर सवार दो व्यक्ति टकरा गए। जहां बाइक चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई तो दूसरे सवार व्यक्ति को लौरिया अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थिति काफी गंभीर देखकर चिकित्सकों ने उसे बेतिया गवर्मेंट अस्पताल रेफर कर दिया। वह भी जीवन और मौत से जूझ रहा है। मृतक की पहचान गोपालपुर थानाक्षेत्र के झखरा गांव के काशी शर्मा के पुत्र राजेश शर्मा के रूप में हुई है, जबकि दूसरे घायल व्यक्ति की पहचान उसी गांव के मंकेश्वर शर्मा के रूप में हुई है। दोनों अपने चचेरे भाई की शादी से वापस घर लौट रहे थे। घटना मंगलवार के अहले सुबह करीब साढ़े बजे की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक राजेश शर्मा अपने भाई मंकेशवर के साथ एक नई बाइक जिसका नंबर नहीं है से अपने चचेरे भाई के बारात में लौरिया के सिसवनिया पंचायत के विशुनपुरवा गांव के स्व सुनील शर्मा के घर आया हुआ था। इधर शादी समारोह में शामिल होने के बाद करीब ढाई बजे वापस बाइक से मंकेशवर के साथ वापस घर लौट रहा था। इधर मुशहरटोली के पास गन्ना लदा ट्रॉली करीब एक बजे रात में पलट गया था, जहां राजेश अपनी बाइक से ट्रॉली में लड़ गया , जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

इधर पंचायत के मुखिया अनिल कुमार का घर नजदीक होने के कारण घटनास्थल पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी और दोनों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं सिसवनिया पंचायत के मुखिया कन्हैया प्रसाद कुशवाहा भी अस्पताल पहुंचकर घायल को बेतिया गवर्मेंट अस्पताल भेजने में मदद की।

जन विश्वास यात्रा के दौरान शिवहर पहुंचे तेजस्वी

शिवहर। शिवहर में बिहार के पूर्व उप मुख्य मंत्री तेजस्वी यादव ने कहा की जन विश्वास यात्रा मेरा राजनितिक इंसोरेंस है ,एक बार फिर से इंसोरेंस करा दीजिए की मै फिर से चलता रहु, शिवहर विधायक चेतन आनंद पर नरम रुख दिखाते हुए तेजस्वी यादव ने कहा जनता उनसे सवाल करेंगी। सभा में लोगों से की अपील करते हुए पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा की आप लोग पटना आइए, लालू जी आप लोगों को पटना में मिलेंगे। एक बार पटना में रगड़ा रगाड़ी हो जाय तो बात बन जायेगी।

नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कुछ लोग कहते हैं राजद my की पार्टी है हम कहना चाहते हैं my के साथ साथ बाप की पार्टी है उन्होंने कहा B से बहुजन A अगड़ा A आधी आबादी p से पुअर..उन्होंने कहा नीतीश कुमार पुराने ख्यालात के है। उनका कोई विजन नही बस इधर उधर करते रहते है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव जन विश्वास यात्रा के दौरान शिवहर

पहुंचे की जहां उन्होने जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार और बीजेपी पर जमकर हमला बोला है. तेजस्वी यादव ने कहा सीएम बोलते थे कब्जा हो गया अब उन्ही पर कब्जा हो गया. नीतीश कुमार बोलते थे मर जाएंगे मिट जाएंगे बीजेपी में नही जाएंगे. उन्होंने जनता से कहा जिस दिन पटना आपलोग आ जाइयेगा ये लोग का पतन शुरू हो जाएगा. तेजस्वी ने कहा कि हमने जो रोजगार और नौकरी की लकीर खींची है. अब देश में कोई भी नेता हो, कोई भी सरकार हो. मेरा देखा देखी कर रही है. अब वो नौकरी की बात करेगी. तेजस्वी ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू तीसरे नंबर की पार्टी है. लेकिन वो 9 बार शपथ ले चुके हैं और एक कार्यकाल में तीन बार. तेजस्वी ने कहा कि हम तो

पीएम मोदी को भी चैलेंज करते हैं कि क्या वो नीतीश कुमार की गांरटी लेंगे कि फिर से पलटेंगे की नहीं. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पुराने खयालात के हैं कोई विजन नही है. कोई नई सोच नही रह गई बिहार में बिहार को आगे ले जाने के लिए. न कोई विजन है न गठबंधन बदलने का रीजन है. इधर से उधर उधर से इधर हो क्या रहा है. तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने जो वादे किए वो 17 महीनों के कार्यकाल में पूरे भी किए. बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश भर में हिन्दू मुस्लिम के नाम पर राजनीति करने वाले लोग मुद्दे की बात नही करते हैं।उन्होंने कहा दस साल में मोदी जी ने क्या किया ये लोग केवल जुमला पार्टी है।

अभाव और गरीबी से संघर्ष कर रक्सौल का श्लोक ने जेईई मेंस में मारी बाजी

मोतिहारी। मन में कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो और तो सामने हर बाधाएं आसान हो जाती है।ऐसा ही मिसाल पेश किया है।

जिले के रक्सौल शहर के कौड़ीहार निवासी सुरेश पटेल के पुत्र श्लोक कुमार ने जिसने अपने आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत से गरीबी और अभाव की बाधाओ को पार एनटीए द्वारा ली गई जेईई मेंस की प्रवेश परीक्षा में 98.20 प्रतिशत अंक लाकर सबको चौकने व गर्व करने पर मजबूर कर दिया है।

श्लोक कुमार की इस उपलब्धि पर न केवल उसके माता पिता और उसे निःशुल्क पढ़ाने वाली दीपा क्लासेज की शिक्षिका दीपा कुमारी बल्कि हर शहरवासी गर्व महसूस कर रहे है। उल्लेखनीय है,कि श्लोक के पिता नेपाल के बीरगंज में छोटा किराना दुकान चलाते हैं, जिससे बमुश्किल उनके परिवार का गुजर-बसर होता है। श्लोक की शिक्षिका दीपा कुमारी बताती है,कि श्लोक एक ही पैंट

पहनकर में पूरा साल क्लास में आता रहा। उसके पास एक काफी पुरानी साईकिल थी, उसे भी चोरों ने चुरा लिया।फिर भी उसके अंदर लगन ऐसा था,कि फटे चप्पल पहनकर वह पैदल आकार पढ़ाई करता। उसकी परिवारिक हालत व फटेहाल स्थिति को देख हमने उसकी पढ़ाई अपने यहां निःशुल्क कर दी। बाकी उसने स्वाध्याय से करके देश में इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी परीक्षा में इस सफलता को अर्जित किया। श्लोक ने सफलता का श्रेय अपने माता पिता और शिक्षिका दीपा को देते बताया कि उसने मैट्रिक की पढ़ाई एसएवी स्कूल से किया और इंटरमीडिएट की पढ़ाई केसीटीसी कॉलेज से किया।

जल व कचरा प्रबंधन बना लूट का शिकार

सरकार इसके नाम पर अपनी पीठ थप थपा रही लेकिन पीसी के बंदर बाट में खत्म हुआ योजना

विजय कुमार

रामगढ़वा। बिहार सरकार की अति महाकांक्षी नल जल योजना एवं कचरा प्रबंधन इकाई में फ्लौफ दिखाई दे रहा है ।2016 एवं 17 से ही नल जल योजना लागू है इसके बावजूद भी के किसी भी पंचायत में सुचारू ढंग से नल के जल लोगों को नही मिल रहा है। वही हाल कचरा प्रबंधन इकाई का है 80000 प्रतिमा खर्च के बावजूद पंचायत में गंदगी का अंबार भरा हुआ है। बता दे कि यहां प्रखंड में इस नल जल योजना की दशा और दिशा समझने के लिए पर्याप्त है। भले ही अधिकारियों के कागजी घोड़े सरपट कागजों पर दौड़ रहे हैं परंतु इस प्रकार की प्रश्न चिन्ह का उठाना लाज़मी है वही जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कहां है नल में जल लोग पूछ रहे हैं। सरकार इस योजना के नाम पर अपनी पीठ जरूर थप थपा रही है लेकिन सही मायनो में इस योजना के नाम पर लोगों के साथ खिलवाड़ हो रही है।आम जनता की गाढ़ी कमाई का करोड़ों रुपया इसमें बांटा गया लेकिन ना कोई सुनने वाला है ना कोई पूछने वाला है। बता दे कि प्रखंड के सकरार पंचायत, अधकपरीया पंचायत, अहिरौलियां पंचायत, मुरला पंचायत, बैरिया पंचायत, आमोदेई पंचायत, रघुनाथपुर पंचायत सहित कुच्छेक पंचायतों को छोड़कर किसी भी पंचायत में पूर्ण तरीके से नल का जल लोगों को नही मिल रहा है। वही हाल प्रखंड के कचरा प्रबंधन इकाई का है नगर निकायों के तर्ज पर ग्राम पंचायत में बनाए गए कचरा प्रबंधन इकाइयों पर ताले लटके रहते हैं। कचरा का उठाव भी कभी-कभार ही करते हैं।इस योजना के सुचारू संचालन के लिए लगाए गए कर्मी भी योजना की ठीक से मॉनिटरिंग नहीं कर रहे हैं। इसी वजह से आज तक अधिकतर केंद्रों पर कचरो से खाद बनने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाया है। बता दे कि प्रत्येक पंचायत में स्वक्षता कर्मियों पर प्रतिमाह खर्च 80 से 90 हजार रुपया बर्बाद किया जा रहा है। वही लोग का कहना है कि नल जल और कचरा प्रबंधन पूर्ण रूप से फेल है इस योजना में बहुत बड़ी घपला और अनियमितता हुई है इससे निष्पक्ष रूप से जांच कर भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होना चाहिए।

> इस संबंध में जानकारी देते हुए बीडीओ मोहमद सज्जाद ने बताया कि किसी भी पंचायतों से कचरा प्रबंधन के बारे में शिकायते नही मिली है। अगर इस संबध में कोई गड़बड़ी पाई गई तो जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वही इन से जब नलजल योजना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नलजल योजना सरकार द्वारा पीएचडी विभाग को दी गई है परंतु इसमें अगर शिकायते आती है तो संबंधित विभाग को सूचित कर जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा।

क्या कहते हैं समाज सेवी

वही इस संबंध में समाज सेवी नंदकिशोर यादव, अजय साह, बेदप्रकाश कुमार, बृजकिशोर तिवारी, मनोज सिंह, इत्यादि लोगो ने बताया कि नलजल योजना पूरी तरह से फेल है। नलजल के बदले सरकार अगर चपा कल की व्यवस्था की होती तो लोगो को जल भी मिलता और सरकार की इस योजना में लूट का शिकार भी होना पड़ता।

आर्म्स का सत्यापन करायें नहीं तो होगा लाइसेंस रद्द

बीएनएम@केसरिया। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर थाना परिसर में आर्म्स का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन कार्य के अंतिम दिन मंगलवार तक 51अनुज्ञप्तिधारियों ने अपने आर्म्स का सत्यापन कराया। ज्ञात हो कि इस कार्य को 12 फरवरी से किया जा रहा था। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत 173 आर्म्स लाइसेंस में से 32 आर्म्स का लाइसेंस रद्द किया गया है। वहीं 19 लोगों का शस्त्र जमा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 122 शस्त्र लाइसेंसधारी हैं। निर्धारित समय तक अपने आर्म्स का सत्यापन नहीं कराने वाले लोगों को अंतिम मौका देते हुए बुधवार तक सत्यापन कराने को कहा गया है।

जंगल में वापस गया हाथियों का झुंड

बेतिया। वीटीआर वन प्रमंडल 2 का जंगल चितवन जंगल के हाथियों को खूब भाता है ये मेहमान हाथी हमेशा नेपाल सीमा को लांघ कर भारतीय क्षेत्र में आते रहते हैं।इसी क्रम में विगत दिनों नेपाल से आए मेहमान हाथियो का झुण्ड वापस नेपाल की सीमा में प्रवेश करने की सूचना मिल रही है। लगभग एक सप्ताह पूर्व से नेपाली हाथियों के झुंड के टाइगर रिजर्व के जंगलों में विचरण के सूचना वन विभाग को मिले हैं । फिलहाल हाथियों के झुंड नेपाल सीमा के अंदर चले जाने की खबर से लोगों ने राहत की सांस ली है। बतादें, बीते एक सप्ताह से नेपाली हाथियों का झुंड वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र और गोनौली वन क्षेत्र में विचरण कर रहा था। जिससे दोनों वन क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मियों की नींद उड़ी हुई थी,कारण की स्वभाव से आक्रामक और गुस्सैल होने के कारण यह हाथी नुकसान पहुंचाने से गुरेज नहीं करते हैं।बतातें चलें कि बिहार के इकलौता टाइगर रिजर्व में इन दिनों अपने आहार की तलाश में आए लगभग एक दर्जन नेपाली हाथी अब वापस नेपाल की तरफ कूच कर गए है। ऐसा वन विभाग का मानना है। जानकारो की माने तो नेपाल क्षेत्र में हाथियों के भोजन में कमी होने के चलते हीं हाथी वीटीआर की सीमा में प्रायः प्रवेश कर जाते हैं और कुछ दिनो तक चहलकदमी करने के बाद नेपाल वापस चले जाते हैं। वहीं वीटीआर जैव व वनस्पति विविधता के मामले में काफी समृद्ध माना जाता है। पर्यावरण के दृष्टिकोण से इस जैव विविधता को भारतीय संपदा और अमूल्य पारस्थिति के धरोहर के तौर पर माना जाता है। रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि नेपाली हाथियों के वापसी के पगमार्क मिले हैं।

जनवरों के हमले से पांच जख्मी, उपचार जारी

बेतिया।वाल्मीकि टाइगर रिजर्व वन प्रमंडल 2 से सटे वनवर्ती इलाकों में इन दिनों वन्य जीवों के विचरण और हमला से ग्रामीण भयभीत हो चले है।जिसमें सबसे ज्यादा आतंक बंदरों का है।इन बंदरों के द्वारा लगातार किसी घर में घुस कर सामानों को तितर बितर कर देना,किसी पर हमला कर जख्मी कर देना आम बात हो गई है।इसी क्रम में विगत दो दिनों में बंदर, आवारा कुत्ते और बिल्ली ने हमला कर अलग अलग जगहों पर पांच लोगों को जख्मी कर दिया है।जिसमें राम कुमारी देवी पति चंद्रभान मर्दनिया 72 वर्ष लक्ष्मीपुर निवासी को बिल्ली ने हमला कर जख्मी कर दिया।सागर कुमार 12 वर्ष और सिद्धवर्थ कुमार 7 वर्ष दोनो पिता धर्मेंद्र मुखिया भेड़िहारी निवासी और नईम अली पिता मैनुद्दीन अली 18 वर्ष कर्माबारी को आवारा कुत्ता ने काट कर जख्मी कर दिया,वहीं रौनक कुमार पिता मंटू साह 2 वर्ष शिवपुरी निवासी को बंदर ने काट कर जख्मी कर दिया।इन सभी जख्मी को परिजनों के द्वारा एपीएचसी वाल्मीकिनगर लाया गया। इसकी जानकारी देते हुए चिकित्सक विकास कुमार ने बताया कि सभी जख्मी को प्राथमिक उपचार कर दिया गया है,सबों की स्थिति सामान्य है।

ईमानदारी से कार्यो का करें निर्वाहन: डीडीसी

आत्मा योजना अंतर्गत संविदा आधारित विभिन्न पदों पर चयनित 22 अभ्यर्थियों को दिया गया नियुक्ति पत्र प्रदान

बेतिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर भागलपुर के अधीन 239 सहायक प्राध्यापक एवं विषयवस्तु विशेषज्ञ तथा कृषि विभाग अन्तर्गत 789 प्रखंड के प्रखंड स्तरीय तकनीकी प्रबंधक,लेखपाल आदि सहित कुल 108 अभियर्थियों का नियुक्ति/नियोजन पत्र वितरण कार्यकर्म तथा कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय भोजपुर,कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय ,पटना,पोषक अनाज मूल्य श्रखला के लिए गुणवत्तावर्धन केंद्र टनकुप्पा का शिलान्यास एवं बिहार कृषि विश्वविद्यालय,सब्बोर भागलपुर के नवनिर्मित सभागार का उदघाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।इसी तर्ज पर जिला पश्चिम चंपारण के समाहरणालय सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी की अध्यक्षता में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार के द्वारा उप विकास आयुक्त का स्वागत बुके प्रदान कर किया गया तथा उप निदेशक आत्मा के द्वारा जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी को पुष्प गुच्छ प्रदान किया गया।इसी के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।सभाकक्ष में उपस्थित आत्मा योजना अन्तर्गत संविदा आधारित पदों पर चयनित अभिर्थियों को उप विकास आयुक्त द्वारा 22 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान की गई। इस कार्य मे जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी व उप निदेशक आत्मा के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।उप विकास आयुक्त द्वारा सभी नवनियुक्त अभियर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए सकारात्मक सोच एवं ईमानदारी से अपने कार्यो का निर्वाहन करने का सलाह दी गयी इसके साथ ही उन्होंने आस्वासन दिया कि किसी भी प्रकार के मुश्किल आने पर कृषि पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय उच्च पदाधिकारियों का सहयोग मिलता रहेगा।उप निदेशक आत्मा के द्वारा इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन की गई।

पटना में हैं कई खूबसूरत और ऐतिहासिक जगहें

पटना शहर में पर्यटकों के घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। यहां संग्रहालय, पुस्तकालयों, विभिन्न धर्मों के पूजा स्थलों, पार्कों और स्मारकों, चिड़ियाघर और मनोरंजन पार्कों आदि में संरक्षित प्राचीन सभ्यता के अवशेष हैं। हम आज आपको बता रहें हैं की आप पटना में कहां कहां घूम सकते हैं। बिहार की राजधानी पटना ने अपने यात्रा की शुरुआत प्राचीन मगध साम्राज्य से की। पटना उस वक्त पटलीपुत्र के नाम से जाना जाता था। गंगा नदी के तट पर बसे इस खूबसूरत शहर ने देश की आजादी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पटना में दुनिया के प्रमुख धर्म जैसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख कई तीर्थस्थल हैं। इसके अलावा भी पटना में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। परंतु पटना अभी भी पर्यटकों के बीच एक आकर्षण का केंद्र नहीं बन पाया है। ऐतिहासिक शहर पटना में देखने के लिए बहुत कुछ है।

बिहार संग्रहालय

बिहार के गौरवशाली अतीत को जानने के लिए अपनी यात्रा की शुरुआत आप बिहार संग्रहालय से कर सकते हैं। यहां प्राचीन इतिहास से लेकर मॉडर्न इतिहास तक आपको सब कुछ मिलेगा। यहां मगध का उदय और उसके बाद के राजवंश, मौर्य साम्राज्य से मुगल शासन तक, संग्रहालय यह सब प्रदर्शनी के माध्यम से समझाता है। पटना के बेली रोड पर स्थित यह संग्रहालय सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में सुबह 10 ।30 से शाम 5 बजे के बीच खुला रहता है

गोल घर

पटना का यह मील का पत्थर मूल रूप से 1786 के आसपास बना था। इसे वर्ष 1770 के अकाल में अनुभव की गई भोजन की कमी के बाद सेना के लिए अनाज रखने के लिए बनाया गया था। मजदूरों को इस पर चढ़ने में आसानी हो इस वजह से इस पर सीढ़ियां भी बनायी गई थी। आज जिसका इस्तेमाल पटना को ऊंचाई से देखने के लिए किया जाता है।

बड़ी पटन देवी

बड़ी पटन देवी एक लोकप्रिय तीर्थस्थल है। यह देवी सती (पार्वती का एक अवतार) से जुड़ा है। यह पटना के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। सहर में देवी को समर्पित अन्य मंदिर भी मौजूद हैं।

पटना साहिब

सिख समुदाय के लिए पटना एक बहुत ही सम्मानित शहर है। यहां सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ था। गुरु नानक और गुरु तेग बहादुर ने भी यहां का दौरा किया है। यहां से लगभग तीन किमी दूर गुरु की बाग है, जो गुरु तेग बहादुर की स्मृति से जुड़ा गुरुद्वारा है। पटना आए पर्यटकों को एक बार इन दोनों गुरुद्वारे जरूर जाना चाहिए।

महावीर मंदिर

पटना रेलवे स्टेशन पर संकटमोचन हनुमान को समर्पित यह भव्य मंदिर तीर्थ यात्रियों के लिए एक लोकप्रिय आकर्षण है। महावीर मंदिर में आपको अन्य देवी-देवता भी मिलेंगे।

कुम्हरार पार्क

पटना के केंद्र में स्थित कुम्हरार पार्क उस समय की याद दिलाता है जब पटना को पाटलिपुत्र और मगध की राजधानी के रूप में जाना जाता था। पुरातत्वविदों को यहां पुरानी संरचनाएं (जैसे कि एक असेंबली हॉल) और मिट्टी के बर्तन मिले हैं।

बुद्ध स्मृति पार्क

पटना के फ्रेज़र रोड पर स्थित पार्क में 200 फीट ऊंचा करुणा स्तूप बनाया गया है, जिसे भगवान बुद्ध की 2554 वीं जयंती के अवसर पर बनाया गया था। यह एक प्राकृतिक उद्यान से घिरा हुआ है। इस परिसर में नालंदा महाविहार की शैली में निर्मित एक ध्यान केंद्र, एक पुस्तकालय और एक संग्रहालय भी शामिल है।

खुदा बख्श ओरिएंटल लाइब्रेरी

खुदा बख्श लाइब्रेरी की शुरुआत एक निजी संग्रह के रूप में हुई थी। लेकिन यह धीरे-धीरे विभिन्न भाषाओं की लगभग 250,000 पुस्तकों के साथ एक भव्य पुस्तकालय के रूप में विकसित हो गया। इसमें पुरानी पांडुलिपियों का भी एक बड़ा संग्रह भी है। इसके अलावा यहां कुछ दुर्लभ कलाकृतियां भी मौजूद हैं।

गांधी संग्रहालय

पटना का गांधी संग्रहालय बड़े पैमाने पर महात्मा गांधी की बिहार यात्राओं और राज्य के साथ उनके संबंधों से संबंधित है

शहीद स्मारक

पुराने सचिवालय भवन के सामने स्थित शहीद स्मारक उन सात युवाओं के सम्मान में बनाया गया था, जिन्होंने भारतीय तिरंगा फहराने की हिम्मत की थी और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जिन्हें ब्रिटिश पुलिस द्वारा गोली मार दी गई थी।

सेंट मेरी चर्च

18वीं सदी में गॉथिक शैली में बनाए गए इस पुराने सेंट मेरी चर्च में कुछ बदलाव हुए हैं, लेकिन फिर भी इसे पटना का सबसे पुराना चर्च कहा जाता है। स्थानीय लोग इसे 'पादरी की हवेली' भी कहते हैं।

पत्थर की मस्जिद

ऐसा कहा जाता है कि सम्राट जहांगीर के बेटे परवेज शाह ने 17वीं शताब्दी में इस पत्थर की मस्जिद का निर्माण कराया था। गंगा नदी के तट पर स्थित इस मस्जिद का निर्माण उन्होंने उस वक्त करवाया था जब वह बिहार के राज्यपाल थे।

संजय गांधी जैविक उद्यान

संजय गांधी जैविक उद्यान यानि की पटना चिड़ियाघर यहां का एक लोकप्रिय आकर्षण है। वनस्पति उद्यान के रूप में शुरू हुए इस पार्क को बाद में एक जैविक पार्क में बदल दिया गया। यहां जानवर, मछली और सांप देखा जा सकता है। इसके अलावा भी मनोरंजन के कई साधन हैं।पटना और इसके आस पास के इलाकों में इन जगहों के अलावा भी घूमने के लिए कई खूबसूरत जगह हैं।

नेलपॉलिश लगाने के बाद सुखाना चाहते हैं जल्दी, आजमाएं ये तरीके

समय के साथ फैशन का अंदाज भी बदलता रहता हैं। लड़कियां अपने लुक में निखार लाने के लिए फैशन से जुड़ी कई चीजें अपनाती हैं जिनमें से एक हैं नेलपॉलिश। यह आपको नाखुनों को आकर्षक दिखाने के साथ ही बेहतरीन लुक देने का काम करती हैं। लेकिन कई बार देखने को मिलता है कि नेलपॉलिश सूखने में काफी समय लग जाता हैं जिसकी वजह से महिलाएं कुछ भी काम नहीं कर पाती हैं।

कई बार नेलपेंट गीली होने की वजह से फैल भी जाती हैं और डिजाईन बिगड़ जाती हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिसे आजमाने के बाद नाखुनों की नेलपॉलिश झट से सूख जाएगी और नेलपेंट खराब भी नही होगी। आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में। नेल पॉलिश कितनी जल्दी सूखती है यह डिपेंड करता है कि आप किस तरीके से उसे लगाती हैं।

नेल पॉलिश को अगर कुछ दिनों के लिये छोड़ दिया जाए तो वह गाढी हो जाती है। इसलिये उसे लगाने से पहले उसमें थोड़ा सा एसिटोन मिला दें जिससे वह हल्की हो जाए और फिर उसे लगाएं।

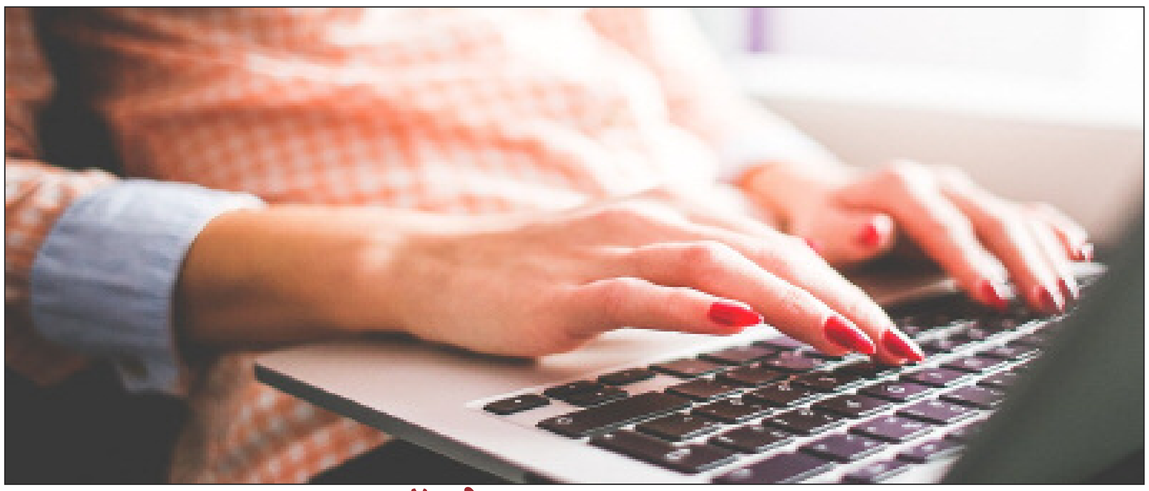

आप ठंडे पानी का इस्तेमाल करके नेल पेंट जल्दी से सुखा सकती हैं। जब भी आप नेल पॉलिश लगा रही हैं तो एक कटोरी में आइस वॉटर डालें। इसके बाद जब भी आप नेल पेंट दोनों नाखुनों पर लगा लें तो अपने हाथों को आइस वाटर में डूबोकर रखें। इससे नेलपेंट जल्दी सुख जाएगा।

टॉप कोट

अधिकतर लड़कियां टॉप कोट लगाना भूल जाती है। जबकि टॉप कोट एक जेल होता है और इसका टेक्सचर पतला होता है। इससे नेलपॉलिश कितनी भी कोट लगाई जाए ये जल्दी से सूख जाती है। टॉप कोट को हल्के गीले नेलपेंट के ऊपर लगाने से भी नेलपॉलिश खराब नहीं होती है और ये जल्दी सूख जाती है। नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहते हैं तो ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हांलाकि कुछ लड़कियां इस आईडिया को पसंद नहीं करती है, लेकिन अगर आप चाहें तो ब्लो ड्रायर से नाखुनों को सुखा सकती हैं। इसके लिए बस आपको ब्लो ड्रायर को मिनिमम सेंटिंग पर रखना होगा जिससे ये हीट न करे और केवल हवा दे। जिससे नेलपेंट आसानी से सूख जाए। ड्राइंग ड्रॉप्स के जरिए आप ड्राइंग ड्रॉप्स का इस्तेमाल करके नेल पेंट सुखा सकते हैं। नेल पॉलिश लगाने के बाद इसे अपने नाखुन पर लगाएं। इससे भी नेल पेंट बहुत ही आसानी से सुख जाएगा। यह नाखुनों के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

बेबी ऑयल

आप बेबी ऑयल का इस्तेमाल नेल पेंट सुखाने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा आप ऑलिव ऑयल भी नेल पेंट को सुखाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं। एक कटोरी में बेबी ऑयल डालें। इसके बाद इसमें अपनी उंगलियां डुबोकर रखें। इससे आपकी नेल पॉलिश जल्दी सुख जाएगी।

पतली कोटिंग

आपके नेलपेंट लगाने के तरीके पर भी यह निर्भर करता है कि नेलपेंट कितनी देर में सूखेगी। अगर आप नेलपेंट की थिक लेयर लगाती हैं तो उसे सूखने में काफी वक्त लगता है। कई बार तो इसमें घंटों भी लग जाते हैं। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप नेलपेंट की थिन लेयर लगाएं।

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं ट्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एकदम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां

विधि :

- उबले आलुओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।
- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।
- जब आलू एकदम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, आमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं लें।
- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

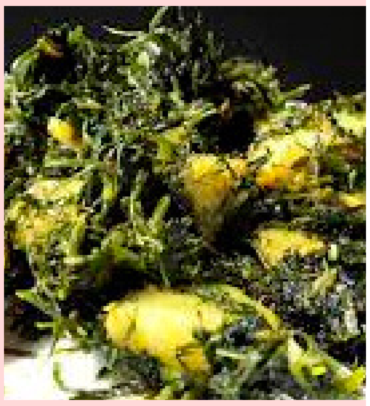

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि : -सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेथी डालें। इसे कुछ देर तक पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भून लें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सके। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसंस रोग और न्यूरोमस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।

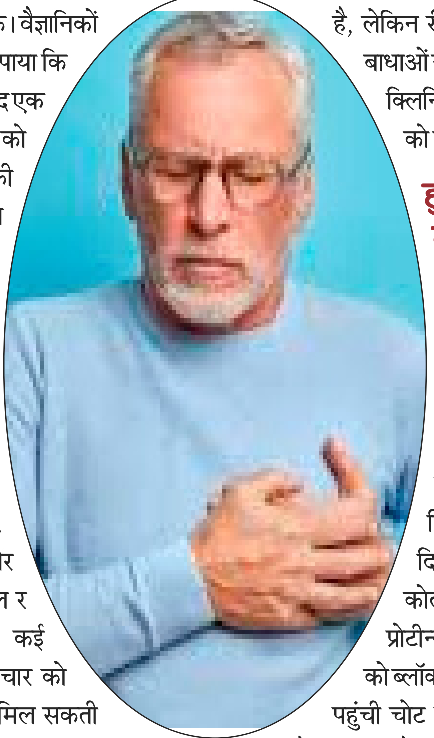

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे- वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्योजी चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षतिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, थिअरी में सेलुलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को दोबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की पहचान की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाए और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार ला पाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल रिप्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्मियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हमारी चाह भी बढ़ने लगी है। वैसे तो गर्मी में गला तर करने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कोशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर आप भी ऐसा ही कुछ ढूंढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-

अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कोशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्यूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्तचाप को कम कर सकते हैं, धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं, दिल से संबंधित सीने में दर्द में सुधार कर सकते हैं और पट्टिका के विकास को रोक सकते हैं और नतीजतन दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

5. शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट

क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी की तुलना में अनार के रस में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि इसमें पॉलीफेनोल्स होते हैं जो आपके शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

6. गठिया का प्रबंधन करें

अनार का जूस अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण गठिया को प्रबंधित करने और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्टियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अनार का अर्क अपनी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के कारण गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचने के लिए कम मात्रा में इसका सेवन करें। इसके अलावा, जिन लोगों को अनार से एलर्जी है, उन्हें इस जूस को पीने से बचना चाहिए। वहीं अगर आपकी दवाइयां चल रही हैं या फिर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं?

गर्म या ठंडा पानी किससे नहायें

आज हम बात करेंगे टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं क्योंकि टाइफाइड के समय मरीज को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में अगर टाइफाइड के समय मरीज के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी नहीं बरती गई तो मरीज की हालत और भी बिगड़ सकती है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती है.

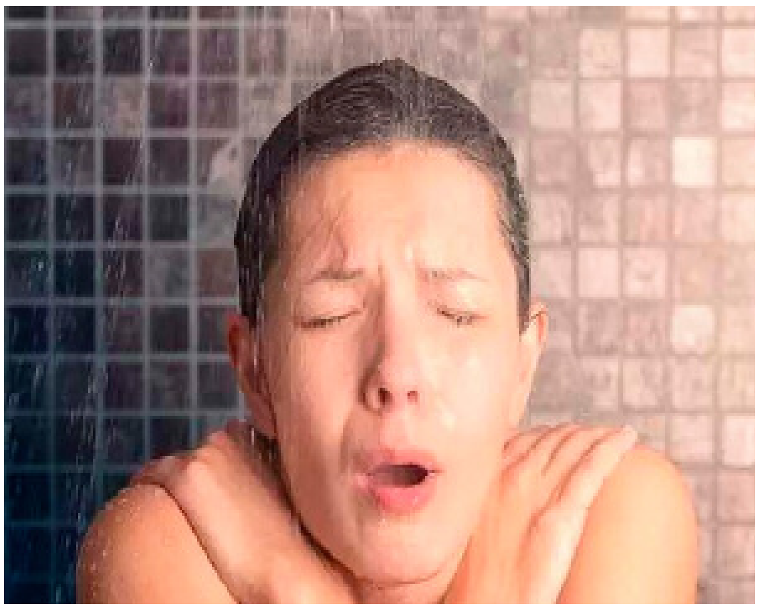

ऐसे में डॉ अलका यादव का कहना है टाइफाइड बुखार दूषित पानी से नहाने दूषित पानी पीने और इससे बने भोजन को करने से होता है इसीलिए हमें यह जानकारी होनी चाहिए कि टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं। आप टाइफाइड बुखार में सामान्य ताप के पानी से नहा सकते हैं इससे आप को कोई खास नुकसान नहीं होगा .

टाइफाइड में गर्म पानी से क्यों नहाना चाहिए?

डॉ अलका का कहना है कि टाइफाइड बुखार दूषित पानी पीने और दूषित पानी से बनने वाले भोजन को करने से होता है।

ऐसे में अगर आप उसी पानी से नहाएंगे तो आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है ऐसे में आपको नहाने के लिए पानी को गर्म करना आवश्यक बताया गया है क्योंकि पानी को गर्म करने से वह कीटाणु रहित हो जाता है जिसकी वजह से वह पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है।

इसीलिए टाइफाइड बुखार में गर्म पानी से नहाना बेहतर माना गया है। गर्म पानी से नहाने के साथ-साथ आपको टाइफाइड के समय गर्म पानी का सेवन पीने में भी करना चाहिए.

क्योंकि टाइफाइड में गर्म पानी पीने से शरीर से हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं इसीलिए आपको सुबह खाली पेट गर्म पानी और शाम को खाना खाने के बाद गर्म पानी का सेवन करना चाहिए इससे पाचन संबंधी समस्या भी ठीक हो जाती है

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैस जैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है।

वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोजाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

घुंघराले बालों की समस्या: आजमाइए ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है।

लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें।

अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें।

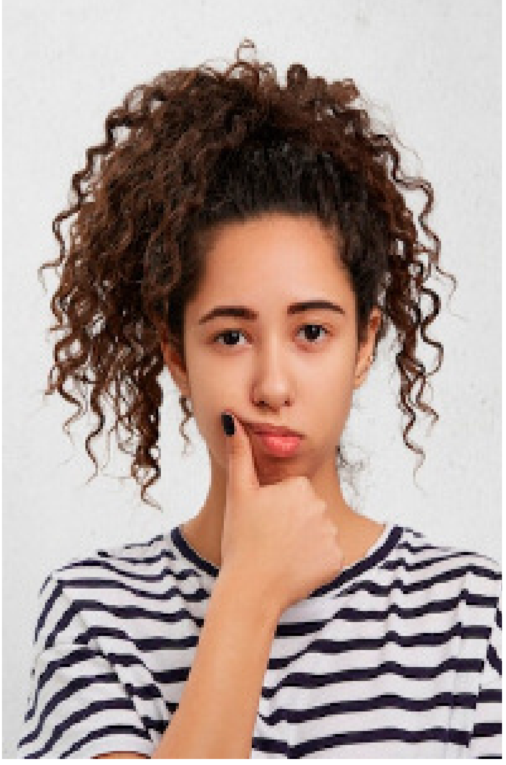

हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद सिर को पानी से धो लें और फिर हमेशा की तरह शैंपू करें।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे बालों का झड़ना रुकता है। इसके अतिरिक्त, यह बालों से डैंड्रफ दूर करने समेत इन्हें हाइड्रेट रखता है। लाभ के लिए हफ्ते में दो बार ताजे एलोवेरा जेल से अपने बालों में मालिश करें। फिर इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

योग

योग एक प्राचीन विज्ञान है या यूं कहें कि मानव जाति के लिए एक उपहार है। तब भी, हमारे गुरु मानव शरीर की जटिल मशीन की कार्यप्रणाली जानते थे। यदि गुरुओं द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सही तरीके से योग किया जाए, तो यह मानव शरीर को जबरदस्त फायदे पहुंचा सकता है।

BNM Fantasy

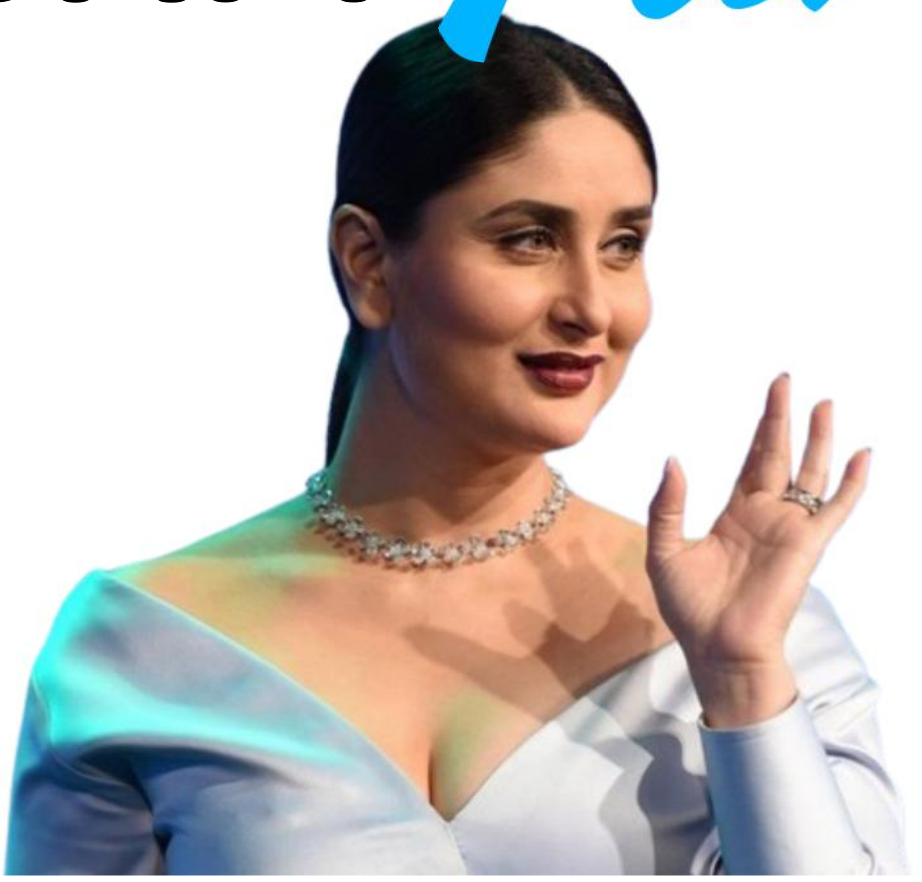

करीना ने शाहिद को किया नजर अंदाज

मुंबई में सितारों ने नाम रही। दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्सका आयोजन हुआ। इसमें कई फिल्मी सितारे शामिल हुए।करीना कपूर खान से लेकर बॉबी देओल शाहिद कपूर, शमिता शेट्टी, शाह रुख खान, काजोल, नयनतारा और एटली समेत कई सितारें इस रेड कारपेट पर नजर आए। इस बीच बॉलीवुड के सालों पुराने एक्स कपल करीना कपूर और शाहिद कपूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बेबो, शाहिद को फूल इग्नोर करती नजर आईं। सेलिब्रेटी फोटोग्राफर मानव मंगलानी ने इस वीडियो को शेयर किया है, जिसमें शाहिद कपूर दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स के रेड कारपेट पर पैपराजी को पोज देते नजर आ रहे हैं।

र

रानी मुखर्जी लंबे समय बाद एक साथ एक मंच पर

शाह रुख खान और रानी मुखर्जी हिंदी सिनेमा के वो कलाकार हैं, जिनकी जोड़ी फैंस की काफी फेवरेट मानी जाती है। इन दोनों कलाकारों को एक साथ देखना फैंस के लिए किसी स्पेशल ट्रीट से कम नहीं है। इस बीच शाह रुख खान और रानी मुखर्जी की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें ये दोनों फिल्म कलाकार हिंदी सिनेमा के खास पुरस्कार समारोह दादा साहेब फाल्के के रेड कार्पेट पर एक साथ नजर आए हैं। आइए एक नजर इन सेलेब्स की लेटेस्ट तस्वीरें पर डालते हैं। मुंबई में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस पुरस्कार समारोह में हिंदी सिनेमा के तमाम सेलेब्स की मौजूदगी का सिलसिला जारी है। इस दौरान शाह रुख खान और रानी मुखर्जी इस अवॉर्ड शो के रेड कार्पेट पर एक साथ स्पॉट हुए हैं।काफी समय बाद ये कलाकार दोनों एक साथ दिखाई दिए हैं। इनकी लेटेस्ट तस्वीरों को सेलेब्स फोटोग्राफर पल्लव पालीवाल ने साझा किया है। शाह रुख और रानी की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि ये दोनों ब्लैक कलर की आउटफिट में ट्विनिंग करते हुए नजर आए हैं।आलम ये है शाह रुख खान और रानी मुखर्जी एक मंच पर अपनी मौजूदगी से महफिल लूट ली है। फैंस इन दोनों की लेटेस्ट तस्वीरों पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। निर्माता करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है में पहली बार शाह रुख खान और रानी मुखर्जी को जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखा गया।

आज परिणय सूत्र में बंधेंगे रकुल और जैकी

डेस्टिनेशन वेडिंग गोवा में

शादियों के मौसम में हिंदी सिनेमा से अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता व अभिनेता जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। यह डेस्टिनेशन वेडिंग गोवा में आज (21 फरवरी) को करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों के समक्ष होगी। समंदर किनारे दोनों की शादी का मंडप भी लग चुका है। बताया जा रहा है कि दोनों ने ही तय किया है कि वे पर्यावरण का ध्यान रखते हुए अपनी शादी में किसी प्रकार का कोई शोरशराबा और पटाखे नहीं जलाएंगे। उनकी शादी की वजह से थोड़ा बहुत जो कार्बन फुटप्रिंट होगा, उसे कम करने के लिए दोनों पौधे भी लगाएंगे। दो दिन पहले से ही दोनों के स्वजन और बालीवुड से उनके करीबी शादी समारोह के लिए गोवा पहुंचे चुके हैं। मंगलवार को मेंहदी और संगीत का समारोह रखा गया। जहां भूमि पेडनेकर और उनकी बहन ने मेंहदी के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा किए। वहीं, अभिनेता वरुण धवन और उनकी गर्भवती पत्नी नताशा दलाल ने भी गोवन थाली का लुत्फ लेते हुए इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा कीं। रकुल और जैकी दोनों ही अपनी सेहत को लेकर काफी सतर्क रहते हैं। ऐसे में उनकी शादी का खाना ग्लूटेन और शक्कर मुक्त होगा। संगीत और मेहंदी की रस्म पर जैकी ने अपनी दुल्हनिया को खुश करने के लिए डांस भी किया। 'बिन तेरे..' गाने के जरिये उन्होंने रकुल के साथ उन पलों को याद किया, जो दोनों ने साथ गुजारे हैं। इसके अलावा जैकी के करीबी बिजनेसमैन राज कुंद्रा और उनकी पत्नी व अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी परफॉर्म किया। मेहमानों की सूची में अक्षय कुमार, शाहिद कपूर, टाइगर श्राफ समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रकुल और जैकी ने साल 2021 में अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर आधिकारिक कर दिया था। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता व अभिनेता जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। यह डेस्टिनेशन वेडिंग गोवा में 21 फरवरी को करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों के समक्ष होगी। समंदर किनारे दोनों की शादी का मंडप भी लग चुका है। बताया जा रहा है कि दोनों ने ही तय किया है कि वे पर्यावरण का ध्यान रखते हुए अपनी शादी में पटाखे नहीं जलाएंगे।